>

Title : Need to install pollution control devices in Thermal Power Plants and other industrial units being set up in Vidarbha region of Maharashtra.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान महाराष्ट्र के वर्धा क्षेत्र में हो रहे प्रदूषण की तरफ दिलाना चाहता हूं। इस क्षेत्र में अनेक प्रकार के उद्योग लग रहे हैं। इन उद्योगों द्वारा प्रदूषण को रोकने के नियमों का पालन न करने के कारण वातावरण प्रदूषित हो रहा है। यही नहीं, सेवाग्राम में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की बापूकुटी परिसर के आसपास भी प्रदूषण फैलता जा रहा है। इन उद्योगों से वातावरण दूषित न हो, इसके लिए समुचित कदम उठाये जाने चाहिए।

विदर्भ क्षेत्र में सरकार ने 261 उद्योग लगाने की स्वीकृति दी है। इनमें से 85 उद्योग कोयले पर आधारित थर्मल पॉवर प्लान्टस हैं। ये प्लान्टस 11.68 लाख टन कोयला प्रतिदिन उपयोग में लायेंगे। यह कोयला लाखों टन उड़न राख वातावरण में फैलायेगा। इसके कारण पूरे विदर्भ का वातावरण दूषित होगा। इन प्लान्ट्स पर बहुत बड़ी मात्रा में पानी भी खर्च होगा। परिणामस्वरूप गांवों के लिए पीने और सिंचाई के लिए पानी की कमी भी होगी। उद्योग स्थापित करते समय किसानों के हितों की अनदेखी भी नहीं की जानी चाहिए।

इसलिए मेरा सरकार से यह निवेदन है कि विदर्भ क्षेत्र में उद्योग तो खोले जायें, लेकिन उद्योग खोलते समय इस बात का ध्यान रखा जाये कि उनमें इस प्रकार के आधुनिक उपकरण लगाये जायें, जिससे वातावरण में प्रदूषण न फैलने पाये। जो उद्योग प्रदूषण रोकने के लिए बनाये गए नियमों का उल्लंघन करें, उनके विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए।